RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SANSKRIT EDUCATION) HINDI

PAPER – II

खंड–I उच्च माध्यमिक स्तर

(अ)

– संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय
– पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द
– शब्द शुद्धीकरण एवं वाक्य शुद्धीकरण
– अद्र्धशासकीय पत्र, विज्ञप्ति, परिपत्र, निविदा, ज्ञापन, अधिसूचना
– मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
– अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश
– जनसंचार के प्रमुख माध्यम, तत्सम्बन्धी लेखन एवं पत्रकारिता
– कविता, कहानी, वार्ता, रिपोर्ताज एवं डायरी– लेखन विषयक परिभाषा, तत्त्व आदि

(ब)

शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
अलंकार – यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, दृष्टान्त, उदाहरण
छंद – दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, गीतिका, हरिगीतिका
काव्य–गुण – माधुर्य, ओज, प्रसाद
काव्य–रस – रस का स्वरूप, रसावयव–स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव, विभिन्न रसों के लक्षण एवं उदाहरण

खंड–II स्नातक स्तर

हिन्दी साहित्य का इतिहास :–

i) इतिहास–लेखन की परम्परा, प्रमुख इतिहास–ग्रंथ एवं इतिहास–लेखक, हिन्दी साहित्य का आरम्भ, काल–विभाजन और नामकरण
ii) **आदिकाल–** रचनाओं की प्रामाणिकता, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय (चंदवरदाई, नरपतिनाल्ह)
iii) **भक्तिकाल–** सामान्य परिचय, भक्ति का उद्भव, विकास और दार्शनिक पृष्ठभूमि
- संत काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (कबीर, दादू)
- सूफी काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (जायसी, मंझन)
- राम भक्ति काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (तुलसीदास)
- कृष्ण भक्ति काव्य– विशेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (सूरदास, मीरां, नंददास)

iv) **रीतिकाल–** रीति से तात्पर्य, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त। तत्कालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ; प्रमुख रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय (देव, भूषण, बिहारी, घनानंद)

v) **आधुनिककाल**

पूर्व पीठिका– तत्कालीन परिस्थितियाँ, हिंदी (खड़ी बोली) गद्य का उद्भव, नवजागरण, भारतेंदु एवं समकालीन साहित्यकार, गद्य की विविध विधाओं का उद्भव

विविध गद्यविधाओं का विकास– नाटक, एकांकी, निबंध, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र एवं रिपोर्ताज– प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का परिचय

काव्य का विकास– भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता– प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का परिचय।

खंड–III स्नातकोत्तर स्तर

- काव्य– हेतु, लक्षण एवं प्रयोजन
- रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण, ध्वनि सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त
- अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व, मनोविश्लेषणवाद

रचनाएँ :–

- कबीर ग्रंथावली (सं0 श्यामसुंदरदास) **साखी** – गुरुदेव कौ अंग, **पद**– प्रारम्भिक 05
- रामचरित मानस (तुलसीदास) – बालकांड
- बिहारी रत्नाकर (सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर') – प्रारम्भिक 25 दोहे
- साकेत (मैथिलीशरण गुप्त) – नवम सर्ग

निबंध :– –कविता क्या है (चिंतामणि– पहला भाग, रामचंद्र शुक्ल), शिरीष के फूल (कल्पलता– हजारी प्रसाद द्विवेदी)

कहानियाँ :– कफन (प्रेमचंद), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), यही सच है (मन्नू भंडारी)

हिन्दी भाषा– उद्भव और विकास, बोलियाँ–उपबोलियाँ, राजभाषा और देवनागरी लिपि

भाग– IV (शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षा शास्त्र, शिक्षण–अधिगम सामग्री, कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का शिक्षण–अधिगम में उपयोग)

I. शैक्षिक मनोविज्ञान

- शैक्षिक मनोविज्ञान की अवधारणा, क्षेत्र तथा कार्य।
- किशोर अधिगमकर्ता की शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं नैतिक विकासात्मक विशेषताएँ तथा शिक्षण–अधिगम के लिए इसके निहितार्थ।
- अधिगम के व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक एवं निर्मितवादी (Constructivist) सिद्धान्त तथा उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए इसके निहितार्थ।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन की अवधारणा तथा समायोजन युक्तियाँ।
- संवेगात्मक बुद्धिमत्ता और शिक्षण–अधिगम में इसके निहितार्थ।

II. शिक्षा शास्त्र एवं शिक्षण–अधिगम सामग्री (किशोर अधिगमकर्ता हेतु अनुदेशनात्मक व्यूह रचनाएँ)

- सम्प्रेषण कौशल तथा इसका उपयोग।
- शिक्षण प्रतिमान (Teaching Models) – अग्रिम व्यवस्थापक, संप्रत्यय सम्प्राप्ति, सूचना प्रक्रिया (Information processing), पृच्छा प्रशिक्षण (Inquiry Training)।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण–अधिगम सामग्री तैयार करना तथा उपयोग करना।
- सहकारी अधिगम

III. शिक्षण–अधिगम में कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का उपयोग

- आई सी टी (ICT), हार्डवेयर (Hardware) एवं सॉफ्टवेयर (Software) की अवधारणा
- प्रणाली उपागम
- कम्प्यूटर सहाय अधिगम(CAL), कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन (CAI)

*****

For the competitive examination for the post of School Lecturer:-

1. The question paper will carry maximum 300 marks.
2. Duration of question paper will be **Three Hours**.
3. The question paper will carry 150 questions of multiple choices.
4. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
5. Paper shall include following subjects: -

(i) Knowledge of Subject Concerned: Senior Secondary Level	110 marks
(ii) Knowledge of Subject Concerned: Graduation Level.	110 marks
(iii) Knowledge of Subject Concerned: Post Graduation Level.	20 marks
(iv) Educational Psychology, Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.	60 marks
	Total – 300 marks

*****